राजभाषा अनुभाग : मानव संसाधन विभाग : प्रधान कार्यालय : बेंगलूरु

राजभाषा अधिकारियों के लिए 03 दिवसीय कार्यशाला

प्रधान कार्यालय, बेंगलूरु द्वारा दिनांक 17.04.2023 से 19.04.2023 तक "राजभाषा अधिकारियों के लिए 03 दिवसीय कार्यशाला" उत्कृष्टता केंद्र, गुरुग्राम में आयोजित की गई। इस कार्यशाला की **अध्यक्षता श्री अशोक चंद्र, कार्यपालक निदेशक** ने की। कार्यशाला का उद्घाटन **श्रीमती अंशुली आर्या, आई. ए. एस., सचिव राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार** के करकमलों से हुआ। कार्यशाला के प्रथम दिन उद्घाटन सत्र में श्री शंकर एस., मुख्य महा प्रबंधक, मानव संसाधन विभाग, श्री भवेन्द्र कुमार, मुख्य महा प्रबंधक, दिल्ली अंचल, श्री ई रमेश, सहायक महा प्रबंधक एवं विभिन्न अंचलों, क्षेत्रीय कार्यालयों व प्रशिक्षण संस्थानों में कार्यरत राजभाषा अधिकारी उपस्थित रहे। ईश वंदना के साथ कार्यशाला का शुभारंभ हुआ।

तत्पश्चात, श्री शंकर एस., मुख्य महा प्रबंधक, मानव संसाधन विभाग ने सभी का स्वागत किया। इस अवसर पर मंचासीन गणमान्यों द्वारा 'राजभाषा संदर्भिका' का विमोचन किया गया, "शाखा दौरा ऑनलाइन पैकेज" का विमोचन सचिव महोदया द्वारा किया गया, इसके साथ ही विभिन्न अंचल कार्यालयों द्वारा प्रकाशित पत्रिकाओं का विमोचन मंचासीन गणमान्यों द्वारा किया गया जिसमें लखनऊ अंचल से "अवध संवाद", मुंबई अंचल से "मुंबई लोकल", कोलकाता अंचल से "कोलकाता किरण", आगरा अंचल से "ताज दर्पण", मथुरा से "बृज माधुरी", व पटना से "पटना दर्पण" पत्रिकाएं शामिल रहीं। इसके उपरांत लखनऊ अंचल से प्रकाशित "अवध संवाद", पटना अंचल से प्रकाशित "पटना दर्पण" व मथुरा से प्रकाशित "बृज माधुरी" के संपादकों को क्रमशः प्रशंसा पत्र से सम्मानित किया गया।

तत्पश्चात, श्री ई रमेश, सहायक महा प्रबंधक ने पिछले एक वर्ष में राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में केनरा बैंक में हुई प्रगति एवं उपलब्धियों पर अपनी पॉवर प्वाइंट प्रस्तुति दी। इस तीन दिवसीय कार्यशाला की रूपरेखा से सचिव महोदया को अवगत कराया गया तथा सभी राजभाषा अधिकारियों को श्रेष्ठ राजभाषा कार्यान्वयन करने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यपालक निदेशक, श्री अशोक चंद्र द्वारा मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह भेंट किया गया।

सचिव महोदया ने अपने संबोधन में कहा कि सरकारी योजनाओं को लागू करने के लिए सरकारी बैंकों की भूमिका अहम है जिसमें केनरा बैंक अग्रणी है। देश के आर्थिक विकास में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि भारत की सभी भाषाएं हमारी विरासत है, हमें प्रेम, प्रेरणा, प्रोत्साहन द्वारा ही हिंदी को अधिक से अधिक उपयोग करने और करवाने के लिए लोगों को प्रोत्साहित करना है।

तत्पश्चात, कार्यपालक निदेशक, श्री अशोक चंद्र जी ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि देश के बड़े हिस्से यानी कि ग्रामीण क्षेत्रों में अंग्रेजी के इस्तेमाल से आम जनों से हमारी दूरियां ही बढ़ती है। अंग्रेज़ी में कार्य करना गुलामी की मानसिकता का परिचायक है। कोई भी विकसित देश अपनी भाषा पर गर्व करता है। उन्होंने हिंदी में कार्य करते हुए केनरा बैंक को सभी के लिए एक मॉडल के रूप में प्रस्तुत करने के लिए सभी को प्रोत्साहित किया और शुभकामनाएं दी।

कार्यशाला के अगले सत्र में श्री जी अशोक कुमार, वरिष्ठ प्रबंधक द्वारा हिंदी शिक्षण व प्रशिक्षण, श्री मयंक पाठक, वरिष्ठ प्रबंधक द्वारा विभिन्न निरीक्षणों पर विस्तृत सत्र लिया गया। प्रथम दिन कार्यक्रम का संचालन सुश्री रीनु मीना, प्रबंधक द्वारा किया गया।

कार्यशाला के दूसरे दिन श्री दीपक कुमार, निरीक्षक, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार ने नवीन संस्करण कंठस्थ 2.0 यानी स्मृति आधारित अनुवाद सॉफ्टवेयर पर विस्तृत सत्र लिया, श्रीमती हर्षा के आर, प्रबंधक द्वारा नराकास के संचालन एवं सहभागिता, श्री डी बालकृष्ण, वरिष्ठ प्रबंधक द्वारा क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय को रिपोर्टिंग, ऑनलाइन एसटीआर-18 रिपोर्टिंग तथा शाखा दौरा ऑनलाइन रिपोर्टिंग, सुश्री रीनु मीना, प्रबंधक द्वारा राजभाषा कार्यान्वयन, श्री राघवेंद्र तिवारी, वरिष्ठ प्रबंधक द्वारा पत्रिका प्रकाशन संबंधी विस्तृत सत्र लिया गया। दूसरे दिन कार्यक्रम का संचालन श्रीमती निशा शर्मा, प्रबंधक, उत्कृष्टता केंद्र, गुरुग्राम द्वारा किया गया।

कार्यशाला के तीसरे दिन श्री बालेंदु शर्मा दाधीच, निदेशक, माइक्रोसॉफ्ट स्थानीय भाषा एवं एक्सेसिबिलिटी ने माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस पर सत्र लिया, जिसमें उन्होंने माइक्रोसॉफ्ट वर्ड का इस्तेमाल करते हुए हमें पत्रिका बनाने की जानकारी दी।

कार्यक्रम के समापन समारोह में हमारे बीच राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय से संयुक्त सचिव, श्रीमती मीनाक्षी जौली उपस्थित रहीं। श्री जी एस रविसुधाकर, महाप्रबंधक द्वारा संयुक्त सचिव, श्रीमती मीनाक्षी जौली का स्वागत किया गया। इसके बाद क्षेत्रीय कार्यालय, कोटा की "हाड़ौती हलचल" नामक ई-पत्रिका का विमोचन किया गया। संयुक्त सचिव श्रीमती मीनाक्षी जौली जी ने अपने संबोधन में बैंकों द्वारा सबसे अधिक प्रभावी रूप से कंठस्थ सॉफ्टवेयर के उपयोग की प्रशंसा की। तत्पश्चात, श्री जी एस रविसुधाकर, महा प्रबंधक, मानव संसाधन विभाग ने सभी को संबोधित करते हुए राजभाषा कार्यान्वयन को बढ़ावा देने की बात कही एवं सभी को प्रोत्साहित किया। कार्यशाला के तीसरे दिन कार्यक्रम का संचालन श्री प्रशांत जी पै, वरिष्ठ प्रबंधक द्वारा किया गया एवं धन्यवाद ज्ञापन श्री संजय गौतम, राजभाषा अधिकारी द्वारा दिया गया।

मुख्य झलकियाँ / Main Highlights

कार्यपालक निदेशक, श्री अशोक चंद्र एवं मुख्य अतिथि, श्रीमती अंशुली आर्या, आई. ए. एस., सचिव, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार का आगमन।

उद्घाटन सत्र

मुख्य अतिथि, श्रीमती अंशुली आर्या, आई. ए. एस., सचिव राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार का स्वागत करते हुए श्री अशोक चंद्र, कार्यपालक निदेशक।

ईश वंदना

“राजभाषा संदर्भिका” विमोचन

मुख्य अतिथि, श्रीमती अंशुली आर्या, आई. ए. एस., सचिव राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार का सम्बोधन

श्री अशोक चंद्र, कार्यपालक निदेशक का अध्यक्षीय सम्बोधन

कार्यशाला के दौरान लिए गए विभिन्न सत्रों की झलकियाँ

श्रीमती मीनाक्षी जौली, संयुक्त सचिव, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय भारत सरकार का सम्बोधन

श्री जी एस रविसुधाकर, महा प्रबंधक, मानव संसाधन विभाग, प्रधान कार्यालय द्वारा अध्यक्षीय सम्बोधन

समूह छायाचित्र